Topic - SOCIAL CHANGE AND CULTURAL CHANGE

(सामाजिक परिवर्तन और सांस्कृतिक परिवर्तन)

Sol- कुछ विद्वानों ने सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन में कोई भी अन्तर नहीं माना है। उदाहरण के लिए, गिलिन और गिलिन ने जीवन के स्वीकृत तरीकों में परिवर्तन को ही सामाजिक परिवर्तन माना है। जीवन के स्वीकृत ढंग को दूसरा नाम ही संस्कृति है क्योंकि मैलिनोवस्की के अनुसार संस्कृति के अन्तर्गत जीवन के समग्र तरीके या ढंग आ जाते हैं। इस दृष्टिकोण से यदि देखा जाय तो यह कहा जा सकता है कि उपर्युक्त विद्वानों के अनुसार सांस्कृतिक परिवर्तन ही सामाजिक परिवर्तन है परन्तु वास्तव में ये दोनों प्रकार के परिवर्तनों में काफी अंतर है। 'संस्कृति' शब्द समाज से कहीं अधिक व्यापक है, यद्यपि इन दोनों के पारस्परिक सम्बंध अत्यंत घनिष्ठ हैं। किसी भी परिवर्तन को हम तब सांस्कृतिक परिवर्तन कह सकते हैं जब उस परिवर्तन के द्वारा जीवन के वे सभी तरीके या ढंग बदल जाएं जो व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। इसके विपरीत सामाजिक परिवर्तन से तात्पर्य, जैसा कि डेविस की परिभाषा से स्पष्ट है, केवल उन परिवर्तनों से है जो समाज के ढांचे और कार्यों में होते हैं। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि सामाजिक परिवर्तन सांस्कृतिक परिवर्तन का केवल एक भाग है क्योंकि सांस्कृतिक परिवर्तन के अन्तर्गत केवल सामाजिक संगठन या ढांचे में होने वाले परिवर्तन ही सम्मिलित नहीं हैं बल्कि वे समस्त परिवर्तन भी सम्मिलित हैं जो कला में, ज्ञान, विश्वास और कानून में, आचार, प्रथा और परम्परा में, विज्ञान तथा दर्शन में, यन्त्र-कला और वास्तुकला में, आदतों और सुविधाओं में होते

यदि हम मैकाइवर एवं पेज की दृष्टिकोण से विवेचना करें तो भी यह स्पष्ट होगा कि सामाजिक परिवर्तन, साँस्कृतिक परिवर्तन से भिन्न है। इन विद्वानों के अनुसार समाज सम्बन्धों का जाल है, इसलिए सामाजिक सम्बन्धों में किसी भी परिवर्तन का अर्थ ही समाज में परिवर्तन या सामाजिक परिवर्तन है, जबकि साँस्कृतिक परिवर्तन के अन्तर्गत कला, साहित्य, धर्म आदि अनेक विषयों में होने वाले परिवर्तन सम्मिलित हैं। इस दृष्टिकोण से यह भी कहा जा सकता है कि सामाजिक परिवर्तन साँस्कृतिक परिवर्तन से अधिक गतिशील है क्योंकि सामाजिक सम्बन्धों में जितनी शीघ्रता से परिवर्तन होता है, उतनी शीघ्रता से कला, विज्ञान तथा परम्परा, धर्म तथा दर्शन में परिवर्तन नहीं होते।

सामाजिक परिवर्तन व साँस्कृतिक परिवर्तन में अंतर

Difference Between Social change and cultural change

उपर्युक्त विवेचना के आधार पर सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिवर्तन में निम्नलिखित अंतरों का उल्लेख किया जा सकता है

(I) सामाजिक परिवर्तन केवल सामाजिक सम्बन्धों में होने वाले परिवर्तन को कहते हैं, जबकि सांस्कृतिक परिवर्तन कला, साहित्य धर्म आदि में होने वाले परिवर्तन को कहते हैं।

(II) सामाजिक परिवर्तन के फलस्वरूप समाज का ढाँचा कुछ न कुछ अवश्य ही बदल जाता है, जबकि साँस्कृतिक परिवर्तन से संस्कृति के विभिन्न पक्षों में परिवर्तन होता है।

(III) सामाजिक परिवर्तन अप्रत्याशित कारणों तथा सचेत प्रयत्नों दोनों के ही फलस्वरूप उत्पन्न हो सकते हैं। इसके विपरीत, सांस्कृतिक परिवर्तन साधारणतया नियोजित होते हैं और इसलिए उनके लिए सचेत प्रयत्न करने की आवश्यकता होती है।

(IV) सामाजिक परिवर्तन की गति सांस्कृतिक परिवर्तन की तुलना में तेज होती है, क्योंकि नये सामाजिक आविष्कारों के फलस्वरूप सामाजिक सम्बन्ध तेजी से बदल सकते हैं, जबकि धर्म, प्रथा, परम्परा, मनोवृत्ति, आदर्श मूल्य आदि में परिवर्तन धीमी गति से होता है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि सामाजिक परिवर्तन व सांस्कृतिक परिवर्तन दो अलग-अलग तरह के परिवर्तन हैं, पर इसका तात्पर्य यह कदापि नहीं है कि दोनों एक दूसरे के पूरक हैं।

समाप्त